जल मनका

जल समस्या विकट बड़ी, मिलकर करना होगा हल।
जल बिन जीवन है नहीं, बचाना होगा निश्चित जल।।

एक था राजा एक थी रानी,
फिर ना कहना एक था पानी ।
इसीलिए बचाना है जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 1

प्रातः काल उठना शुभकारी,
जल पीना होता हितकारी ।
खुल्ला नहीं रह जाए नल,
बचाना होगा निश्चित जल।। 2

शौच से आकर हाथ धोना,
कुल्ला करना व मुंह धोना।
साबुन लगाते चले ना नल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 3

शेव करें या करें हम पेस्ट,
करें नल बन्द करने का कष्ट।
बिना जरूरत चले ना नल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 4

नहाते समय बाल्टी भरना,
फव्वारा उपयोग ना करना।
बाल्टी भरे पर बहे ना जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 5

पाईप लगा कर फर्श ना धोना,
धूले कार तो जल मत खोना।
पाईप से बहे कभी न जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 6

बिन कारण टुंटी मत खोलो,
बन्द करो हाथ जब धोलो।
बेकार कभी भी चले न नल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 7

प्यास लगे तो चाहिए पानी,
नहीं मिले याद आए नानी।
प्राण बचाता तब केवल जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 8

तीन चौथाई जल दुनिया अन्दर,
भरे पड़े हैं कई समन्दर ।
काम ना आता खारा जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 9

हम सब मिल संकल्प करेंगे,
पानी कभी ना व्यर्थ करेंगे।
ताकि कभी ना सुखे नल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 10

वरूण देव जलपति कहलाता,
इन्द्र देव है जल बरसाता ।
नाराज न हों देव सकल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 11

यही बताती है गुरबाणी,
माता धरती पिता है पानी।
संजोकर रखना होगा जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 12

जल बर्बादी से लगता पाप,
जैन धर्म बतलाता आप ।
कम प्रयोग करें हम जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 13

कुम्भ हो या सोमवती मावस,
बिन पानी नहीं कछु भावत।
कैसे तीर्थ करेंगे बिन जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 14

कृष्ण ने कालिया नाग को मारा,
मीठा किया यमुना जल खारा ।
हम क्यों डालें उसमें मल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 15

की प्रदूषित नदियां गिन गिन,
शुद्व जल देती थीं जो प्रतिदिन ।
नदियों में ना डालें मल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 16

नाले हम नदियों में डालें,
गन्दा वातावरण हम ही पालें।
रखना होगा शुद्वित जल,
बचाना होगा निश्चित जल । 17

नदियों में जब ना होगा जल,
कैसे स्नान करेंगे मल मल ।
टूंटी में नहीं मिलेगा जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 18

शिव रात्रि हित करो विचारा,
बन्द हो जायेगी जल धारा ।
लोटा भर ही चढाओ जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 19

यज्ञ करो या करो तुम पूजा,
पानी का विकल्प न दूजा ।
जल का पर्याय है केवल जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 20

छोड़ा कुंड बचाना पानी,
कहां गई संस्कृति पुरानी ।
परम्परा रही बचाना जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 21

राजा परीक्षित को लगी प्यास,
ऋषि कुटिया पर धरी आस।
क्रोधित हुए ना पाकर जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 22

विचलित कर गया जल अभाव,
तजी मर्यादा परीक्षित क्रोध प्रभाव।
ऋषि श्राप ने बदला कल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 23

धन संचय तो करते हैं सब,
जल संचय भी करलो अब।
कुओं, जोहड़ में भर दें जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 24

पेड़ों के बिन मेघ ना बरसें,
लगे पेड़ तो फिर क्यों तरसे।
उमड़ घुमड़ फिर बरसे जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 25

प्रदूषण भी करे पुकार,
बन्द करो यह अत्याचार ।
पर्यावरण से सुधरे कल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 26

बढती जनता घटता जंगल,
कम होता जाए है मंगल ।
पीने को नहिं मिलेगा जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 27

कागज का प्रयोग घटाएं,
कम्प्यूटर ई–मेल अपनाएं ।
पेड़ बचेगा, बढ़ेगा जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 28

जल संरक्षण तकनीक लाएं,
खेती फव्वारा पद्वति अपनाएं ।
बूंद बूंद से बचेगा जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 29

वर्षा जल बेकार न जाए,
करें रीचार्ज जमीन में जाए ।
भूजल सुधरे, बढेगा जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 30

बढ़ती सम्यता बढ़ते मकान,
पेड़ों का करते हैं कटान।
पेड़ों बिन बरसे न जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 31

हम यूं पानी बर्बाद करेंगे,
भावी बच्चे यही कहेंगे ।
सहेजना चाहिए था जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 32

भरती टंकी तब बहता पानी,
'वाटर बैल' लगाते हैं ज्ञानी ।
गिरने ना देते एक बूंद जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 33

कूलर में तुम डालो पानी,
या फिर करते हो बागवानी ।
अति कभी ना बरतो जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 34

जल की कमी हम सब सहते,
धरना प्रदर्शन करते रहते ।
समस्या का नहीं सोचा हल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 35

जो जन चांद पर जाकर आए,
बिन पानी वहां रह नहीं पाए ।
चूंकि वहां मिला ना जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 36

बूंद बूंद से भरता गागर,
गागर से बन जाता सागर ।
खारा है सागर का जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 37

जल बिन कहो नहाएं कैसे,
कपड़े बर्तन धोएं कैसे
कैसे होगी सफाई बिन जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 38

अर्जुन तीर भूमि पर मारा,
पितामह हेतु नीर उबारा ।
अब ना निकलेगा ऐसे जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 39

बिन जल आग बुझेगी कैसे,
बन जाये दावानल जैसे ।
कोई नहीं है दूजा हल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 40

सस्ता तेल है महंगा पानी,
अरब देशों की यही कहानी ।
रहेंगे जीवित क्या बिन जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 41

जल की सोचो कल की सोचो,
बिन पानी जीवन की सोचो ।
ढुंढों कोई अब इसका हल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 42

पंक्षी हो या हो इंसान,
पानी हर जीवन की जान।
हर जीव को चाहिए जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 43

मांसाहार में मरता प्राणी,
सफाई मांगती है अति पानी।
जीव बचे और बचेगा जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 44

कौवे वाली है सत्य कहानी,
बिन प्रयास नहीं मिलता पानी ।
जल संरक्षण है इसका हल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 45

ग्लोबल वार्मिंग करे कमाल,
सूख रही नदियां और ताल ।
कितने भयानक होंगे वो पल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 46

दौड़ दौड़ सांस चढ़ जावे,
एक घूंट जल धीर धरावे ।
प्राण रक्षक है मीठा जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 47

आओ सुन्दर देश बनाएं,
मिलकर सारे पेड़ लगाएं।
प्रतिदिन उसमें डालें जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 48

समय की है अब यही पुकार,
बच्चे दो और पेड़ हजार ।
ताप मान बढ़ रहा हर पल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 49

पानी का प्रयोग करें ऐसे,
घी अमृत की धार हो जैसे ।
जीवन हेतु अमृत है जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 50

पानी के लिए लड़ते प्रदेश,
प्रदेश नहीं लड़तें हैं देश।
कारण युद्व का बनें न जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 51

जल बिन कैसे बुझेगी आग,
कैसे खेलेंगे हम फाग ।
रंगों का रूप बदलेगा जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 52

नीर बिना अम्बर है सूना,
मेघ देख खुशियां हो दूना।
बरसे बदरा संचित हो जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 53

वर्षा जल है बहता जाता,
समुद्र तल है बढ़ता जाता।
खतरनाक बढ़ना समुन्द्र तल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 54

कैसे होगी फसल बुवाई,
बिन पानी ना होगी पकाई ।
अच्छी खेती को चाहिए जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 55

जल बिन अन्न कहां से होगा,
अन्न बिन जीवन का क्या होगा।
अन्न मिले कैसे बिन जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 56

जल चिकित्सा से बनता योग,
जल पीने से मिटते रोग।
चिकित्सा का आधार है जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 57

कैसे होगा सूर्य जल अर्पण,
कैसे होगा पितरों का तर्पण ।
धर्म अनुष्ठान को चाहिए जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 58

पानी है भागवत कथा आधार,
प्यासे परिक्षित का कड़वा काम।
श्राप मिला ना मिला था जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 59

जल ही जीवन जीवन है जल,
जीवन है जल का प्रतिफल।
कैसा होगा जीवन बिन जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 60

जल कमी से बढ़ता तापमान,
जल कमी से तपता आसमान।
जीवन बचेगा नहीं बिन जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 61

पाईप लगाकर फर्श न धोना,
गाड़ी पर तुम जल न खोना।
पछताना पड़े ना किसी पल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 62

लिए बैठेंगी आटा और नून,
सत्य है बिन पानी सब सून।
कैसे गुंधेगा आटा बिन जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 63

बिन पानी खाना पकेगा कैसे,
भोजन कोई करेगा कैसे।
खाना नहीं बने बिन जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 64

भूजल दोहन से खतरा महान,
भूकम्प देते जल्दी फरमान।
भू जल बढ़े रीचार्ज हो जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 65

ताालाब बावड़ी खोलो सारे,
तभी बचेंगे पशु हमारे ।
पीने को मिलेगा उनको जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 66

केवल नहीं यह सरकारी काम,
सोचना हमें है बहु आयाम।
जन सहयोग से बचेगा जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 67

हम सुधरेंगे जग सुधरेगा,
बूंद बूंद से घड़ा भरेगा।
हर जन अब बचाये जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 68

रि–साईकलिंग का प्रचार बढ़ायें,
जल काम में बार बार लायें ।
खपत घटेगी बचेगा जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 69

जल संकट गहराता जाता,
हल कोई नहीं समझ में आता।
केवल उपाय बचाना जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 70

प्रवचन में चर्चा कर जाते,
साधु संत निरन्तर समझाते।
देते उपदेश बचाओ जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 71

बर्तन मांजो कपड़े धोलो,
उस जल को बेकार ना डालो ।
बूंद–बूंद उपयोगी है जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 72

आटो वाशिंग मशीन न लाओ,
अति जल बेकार न बहाओ।
बाल्टी में खंगाले से बचता जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 73

जन जन हमें जगाना होगा,
घर घर सन्देश पहुंचाना होगा।
जल ही जीवन, जीवन है जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 74

आधुनिकता खोती जल ज्यादा,
कैसे रोकें समझ नहीं आता।
फ्लश में बहता हर पल जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 75

फैक्ट्री मिल में बने ना जल,
निर्मित नहीं हो सकता जल
केवल संरक्षण ही है हल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 76

जल है तो ही होगा कल,
जल बिन बचे ना कोई कल ।
होगा सुरक्षित बचाना कल,
बचाना होगा निश्चत जल ।। 77

बिन जल खाना नहीं बनेगा,
भूख से व्यक्ति तड़प मरेगा ।
इसलिए नित बचाना है जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 78

बिन मतलब छिड़काव करो ना,
पानी तुम बर्बाद करो ना।
समझो कितना अमूल्य है जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 79

जल पीने से क्रोध मिट जाता,
शांति से जीवन रस पाता ।
शान्त चित सोचें हर पल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 80

घर में खत्म हो जाए पानी,
आती याद सबको ही नानी।
नानी बर्बाद ना करती थी जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 81

प्रदूषण नित नित बढ़ता जाता,
नियन्त्रण बाहर सब हो जाता।
फिर चाहिए अधिकाधिक जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 82

तापमान बढ़े वृक्ष कमी से,
तपे आसमान वृक्ष कमी से ।
वृक्ष ही साधन पाने को जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 83

अरब में पानी से सस्ता तेल,
जीने को चाहिए जल न कि तेल ।
महंगा होता जा रहा जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 84

श्रीलंका है अति न्यारी,
समुद्र बीच बसी है प्यारी।
महंगा है वहां पीने का जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 85

साउथ अफ्रीका की राजधानी,
जल की कमी से है परेशानी ।
केपटाउन हुआ राशन में जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 86

आस्ट्रेलिया जल संकट न्यारा,
ऊंटों को गोली से मारा ।
कारण कमी था केवल जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 87

गंगा संसद हो या नमामि गंगे,
जलशक्ति विभाग लगे चंगे ।
उद्वेश्य केवल है बचाना जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 88

करोड़ों अरबों खर्च करते हैं,
नदियां फिर गन्दी करते है।
बन्द करों डालना इनमें मल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 89

दुनियां के सब देश परेशान,
जीव का बचे ना नामो निशान ।
जीवन नहीं चले बिन जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 90

धान उत्पादन में ज्यादा पानी,
नई तकनीक ना सबने मानी
नई तकनीक से बचेगा जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 91

तम्बाकु सेवन लेता है जान,
उत्पादन करता अति जल पान।
तम्बाकु प्रतिबन्ध से बचेगा जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 92

गन्ने में लगता अति पानी,
चीनी करती देह में हानि।
गन्ना कम उपजाना अच्छा हल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 92

छत वर्षा जल संग्रहित करलो,
ड्रम बाल्टी टंकी भर लो ।
सड़क बचेगी बचेगा जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 93

सभी नगर हैं नदी किनारे,
करे बसेरा जल के सहारे ।
जीव आधार रहा नदी जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 95

हरे भरे हम पेड़ लगायें,
उमड़ घुमड़ घन वर्षा लायें ।
अच्छी वर्षा से मिलेगा जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 96

वैश्विक ताप घटेगा इससे,
पर्यावरण शुद्ध रहेगा जिससे ।
पर्यावरण सुधरे बढेगा जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 97

पीने का पानी है अनमोल,
करें बचत नहीं मिलेगा मोल।
पैसों से भी नहीं मिलेगा जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 98

रहे तीन भाग देह पानी,
फिर भी चाहिए हर दम पानी ।
सोचो सारे मिलकर हल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 99

मछली कहते जल की रानी,
जीवन उसका केवल पानी ।
नहीं बचेगा जीव बिन जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 100

जीवन जीव आधार है जल,
प्रकृति प्रदत उपहार है जल ।
जीव बचेगा जब बचेगा जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 101

गली मोहल्ले में होता युद्ध,
टैंकर जब लाता है जल शुद्ध ।
युद्ध का कारण बने ना जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 102

तम्बाकु देह की करता हानि,
उत्पादन में अति लगता पानी।
रोग मिटेंगे और बचेगा जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 103

रिट्रीटमैंट प्लांट बढ़ते जाएं,
पानी साफ कर काम में लाएं ।
इससे भी बढ़ेगा साफ जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 104

अतिक्रमण हटा दे सरकार,
तालाबों का कर दे उद्धार ।
संग्रहित होगा वर्षा जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 105

वर्षा जल संग्रहण सिस्टम,
संख्या बढ़ाओ नित्य हरदम।
भूजल स्तर सुधारे वर्षा जल,
बचाना होगा निश्चित जल।। 106

जल वाशिंग बन्द करनी होगी,
हवा से गाड़ी चमकानी होगी।
बहुत बहुत बचेगा जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 107

पाईप लिकेज होने ना पाये,
गर हो जाये झटपट जुड़वाये ।
रिस नहीं पाये ऐसे जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 108

जल मनका का पाठ करो नित,
जल बचत का अभ्यास करो नित ।
समझने करने से बचेगा जल,
बचाना होगा निश्चित जल ।। 109

जिन खोजया तिन पाईया, गहरे पानी पैठ,
सुखे सर के तटों पर, क्यों हम जांएं बैठ ।
आओं सब मिलकर चलें, थाम हाथ में हाथ।
जल बचाव अभियान में, रमेश गोयल के साथ ।।

पर्यावरणविद् व जल स्टार रमेश गोयल
Founder & National President, Paryavaran Prerana (9 States)
National Secretary Environment (2015-16/2018-19)
Bharat Vikas Parishad (1700 branches in India)
M. 09416049757 rameshgoyalsrs@gmail.com
20, RSD Colony, SIRSA-125055
G 114, Faze I, Ground Floor, Ashok Vihar, Delhi-110052
Email: rameshgoyalsrs@gmail.com paryavaranprerana@gmail.com,
Web:www.savewatersavelife.com, www.paryavaranprerana.com
facebook.com/rameshgoyalsrs facebook.com/ramesh.goyal.com